**24. मुस्लिम विधि-पत्नी को दान**

इस विलेख द्वारा सब लोगों को ज्ञात हो कि मैं ... ................. ................पुत्र ................. ................. निवासी ................. रुपये पर वर्तमान समय पर मूल्यांकन की हुई इसकी अनुसूची में और अधिक संक्षिप्त तौर पर वर्जित सम्पत्ति का सह अंशधारी एवम् सहस्वामी हूं। यतः मैंने ................. मेरी पत्नी के पक्ष में एक बिल का पहले से ही निष्पादन किया है लेकिन मेरी मृत्यु के पश्चात् किसी भी विवाद को टालने के लिए मैं इस शर्त के किसी प्रकार अध्यधीन रहते हुए ................ ................. मेरी पत्नी का इसकी अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति में मेरा हिस्सा एवम् स्वामित्व दान के इस विलेख द्वारा एतद्वारा सौंप देता हूँ कि वह उसकी बावत बन्धक, विक्रय या दान के सदृश्य किसी अन्य संक्रामण का कोई प्रकार उसकी बिल पर प्रस्तुत करने की शक्ति सहित भेंट या दान की गयी सम्पत्ति के आधे पर कब्जा रखेगा और शेष के लिए, वह उसी पर कब्जा रखेगा जैसे जीवन स्वामी उसका अन्य संक्रामण किसी शक्ति के बिना रखे। मेरी पत्नी की मृत्यु के पश्चात् यह आधा हिस्सा समान हिस्सा सहित मेरे वारिसों को प्रत्यावर्तित हो जायेगा और वे सभी वारिसान् शेयरों के अनन्य स्वामी होंगे। मैंने मेरी पत्नी को दान की हुई सम्पत्ति के कब्जे का परिदान किया है और आज से, मैं दान की हुई सम्पत्ति पर कोई अधिकार रखना या दावा करना बन्द कर दिया है।

**जिसके साक्ष्य में दाता तारीख ............... पर साक्षियों की अनुपस्थिति में अपना हस्ताक्षर करता है परिदान करता है।**

साक्षीगण

1. ................. ................. दाता
2. ................. ................. दानग्रहीता